



वर्तमान में वित्तीय सेवाओं पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभाव: एक व्यापक विश्लेषण

* डॉ प्रवीण कुमार पाकड़

मुख्य शब्द - ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल भुगतान, पीयर-टू-पीयर लॉन्डिंग, क्राउडफंडिंग, ब्लॉकचेनआदि.

सारांश

वित्तीय प्रौद्योगिकी वित्तीय सेवाओं में प्रौद्योगिकी के एकीकरण को संदर्भित करती है, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए नए अवसर पैदा होते हैं। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां विभिन्न प्रकार के उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करती हैं, जिनमें ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल वॉलेट, मोबाइल भुगतान, पीयर-टू-पीयर लॉन्डिंग और क्राउड फंडिंग शामिल हैं। ये सेवाएं आम तौर पर पारंपरिक वित्तीय सेवाओं की तुलना में तेज, सस्ती और अधिक सुविधाजनक होती हैं, और ये कम सेवा प्राप्त समुदायों को भी पूरा करती हैं। तकनीकी प्रगति, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और पारदर्शी और कुशल वित्तीय सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण वित्तीय प्रौद्योगिकी का विकास हुआ है। जबकि वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय सेवा उद्योग को बाधित कर दिया है, यह अभी भी नियामक अनुपालन और साइबर सुरक्षा जोखिमों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह पत्र वित्तीय प्रौद्योगिकी के विकास, प्रमुख खिलाड़ियों, चुनौतियों और अवसरों और वित्तीय सेवाओं में भविष्य के दृष्टिकोण का अवलोकन प्रदान करता है। यह प्रतियोगिता, ग्राहक अनुभव, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, लागत में कमी और नवाचार सहित वित्तीय सेवाओं पर वित्तीय प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर प्रकाश डालता है। यह वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा सामना की जाने वाली विनियामक और साइबर सुरक्षा चुनौतियों के साथ-साथ आगे की वृद्धि और विकास की संभावनाओं को भी संबोधित करता है। कुल मिलाकर, शोध पत्र इस बात पर जोर देता है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी ने वित्तीय सेवा उद्योग में क्रांति ला दी है, व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

प्रस्तावना

वित्तीय प्रौद्योगिकी (वित्तीय प्रौद्योगिकी) उद्योग ने पारंपरिक वित्तीय सेवाओं को कई तरीकों से बाधित किया है, और इसका प्रभाव भविष्य में भी जारी रहने की उम्मीद है। इस शोध पत्र में वित्तीय प्रौद्योगिकी के विकास, उद्योग में प्रमुख खिलाड़ियों, चुनौतियों, अवसरों और वित्तीय सेवाओं में वित्तीय प्रौद्योगिकी के भविष्य के दृष्टिकोण को शामिल किया गया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी बैंकिंग सेवाओं और प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने और स्वचालित करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग है। नए व्यापार मॉडल पेश करके, मौजूदा प्रक्रियाओं को बढ़ाकर और नए वित्तीय उत्पादों की पेशकश करके, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों ने उद्योग को बदल दिया है। ये कंपनियां अक्सर उन्नत वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करने के लिए ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन

लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाती हैं, जो अक्सर पारंपरिक वित्तीय सेवाओं की तुलना में तेज, सस्ती और अधिक सुविधाजनक होती हैं। हालांकि, वित्तीय प्रौद्योगिकी को नियामक अनुपालन और साइबर सुरक्षा जोखिमों जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। फिर भी, वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय सेवा उद्योग को बाधित कर दिया है और व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। जैसे—जैसे प्रौद्योगिकी का विकास जारी है, वित्तीय प्रौद्योगिकी के भी विकसित होने की उम्मीद है।

वित्तीय प्रौद्योगिकी, या वित्तीय प्रौद्योगिकी, पिछले दशक में तेजी से वित्तीय सेवा उद्योग को बदल रही है। इसमें उपभोक्ताओं, व्यवसायों और संस्थानों को नवीन वित्तीय उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल है। वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं के तेज, सस्ते और अधिक सुविधाजनक विकल्पों की पेशकश करके पारंपरिक वित्तीय सेवाओं को बाधित कर दिया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां भुगतान, उधार, धन प्रबंधन और बीमा सहित वित्तीय सेवा उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में काम करती हैं। वे अक्सर नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करने के लिए अभिनव व्यापार मॉडल, जैसे पीयर-टू-पीयर लैंडिंग और क्राउड फंडिंग का उपयोग करते हैं। जबकि वित्तीय प्रौद्योगिकी ने उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए कई लाभ लाए हैं, यह विनियामक अनुपालन और साइबर सुरक्षा जोखिमों जैसी चुनौतियों का भी सामना करती है। हालांकि, प्रौद्योगिकी के विकास और बाजार के नए अवसरों के उभरने के साथ—साथ वित्तीय प्रौद्योगिकी का विकास जारी रहने की उम्मीद है।

साहित्य की समीक्षा

वित्तीय प्रौद्योगिकी पर साहित्य इस उद्योग के लिए वित्तीय सेवाओं के परिवृत्त्य को बदलने की क्षमता पर प्रकाश डालता है, लेकिन वित्तीय प्रौद्योगिकी से जुड़े संभावित जोखिमों को दूर करने के महत्व को भी रेखांकित करता है। विनियामक ढाँचे, साइबर सुरक्षा उपाय और अन्य जोखिम प्रबंधन रणनीतियाँ यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होंगी कि वित्तीय प्रौद्योगिकी एक सुरक्षित और स्थायी तरीके से नवाचार को बढ़ावा देती है और वित्तीय सेवाओं में सुधार करती है।

मार्गीनी एल. और प्लाइटिन जी. (2021) वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र बन गया है जो वित्तीय सेवाओं के परिवृत्त्य को बदल रहा है। वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उपभोक्ताओं और व्यवसायों दोनों के लिए अधिक कुशल, सुविधाजनक और किफायती वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने के लिए ब्लॉकचैन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मोबाइल ऐप जैसी नई तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। इससे नवाचार और प्रतिस्पर्धा में बुद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप सेवाओं में सुधार हुआ है और ग्राहकों और व्यवसायों के लिए लागत कम हुई है। कई शोधकर्ताओं ने बैंकिंग, बीमा, भुगतान और निवेश प्रबंधन जैसे विभिन्न वित्तीय सेवा क्षेत्रों पर वित्तीय प्रौद्योगिकी के प्रभाव की जांच की है। उन्होंने पता लगाया है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी पारंपरिक वित्तीय सेवा उद्योग को बाधित कर रही है, पारंपरिक बैंकों को वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप से बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, वित्तीय प्रौद्योगिकी अपने ग्राहकों को वित्तीय उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करने के लिए मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों और ई-कॉर्मस प्लेटफॉर्म सहित वित्तीय सेवा उद्योग में नए प्रवेशकों को सक्षम कर रही है। जैसे, कुछ शोधकर्ताओं ने तर्क दिया है कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए पारंपरिक वित्तीय सेवा फर्मों को वित्तीय प्रौद्योगिकी को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है।

रोसेनग्रेन, ई.एस. (2019) जबकि वित्तीय प्रौद्योगिकी ने वित्तीय सेवा उद्योग के लिए कई लाभ लाए हैं, यह संभावित जोखिम भी पैदा करता है। वित्तीय प्रौद्योगिकी से जुड़ी नियामक चुनौतियों में से एक उपभोक्ताओं की सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के साथ नवाचार की आवश्यकता को संतुलित करना है। इस संतुलन को प्राप्त करने के लिए, कुछ शोधकर्ता एक लचीले नियामक टृटिकोण का सुझाव देते हैं, जबकि अन्य वित्तीय प्रौद्योगिकी फर्मों को हिंसक प्रथाओं में शामिल होने से रोकने के लिए अधिक कड़े नियमों का प्रस्ताव करते हैं। इसके अलावा, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए साइबर सुरक्षा जोखिम एक और चिंता का विषय है। शोधकर्ताओं ने डेटा उल्लंघनों, पहचान की चोरी और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे संभावित जोखिमों पर प्रकाश डाला है। प्रौद्योगिकी पर भारी निर्भरता और संवेदनशील ग्राहक डेटा की बड़ी मात्रा के कारण वित्तीय प्रौद्योगिकी फर्म पारंपरिक वित्तीय सेवा फर्मों की तुलना में साइबर सुरक्षा खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकती हैं। इन जोखिमों को कम करने के लिए, कुछ शोधकर्ता मजबूत एन्क्रिप्शन और बेहतर प्रमाणीकरण विधियों को लागू करने का प्रस्ताव करते हैं।

एम्सोस डब्लू आर और रिकेट्स एल आर (2019) शोधकर्ताओं ने वित्तीय समावेशन पर वित्तीय प्रौद्योगिकी के प्रभाव की जांच की है, यह पहचानते हुए कि कई कम सेवा वाली और कम बैंकिंग आबादी के पास पारंपरिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच नहीं है। वित्तीय

प्रौद्योगिकी में मोबाइल भुगतान और माइक्रोफाइनेंस जैसे नए और अभिनव उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करके वित्तीय समावेशन को बढ़ाने की क्षमता है। बहरहाल, कुछ शोधकर्ताओं ने सलाह दी है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी वित्तीय समावेशन के लिए एक पूर्ण समाधान नहीं है और सभी उपभोक्ताओं के लिए नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को सुलभ और सस्ती बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

वित्तीय प्रौद्योगिकी का संक्षिप्त इतिहास

- 1950—1960 के दशक:** पहला क्रेडिट कार्ड पेश किया गया, जिसकी शुरुआत 1950 में डायनर्स क्लब कार्ड और 1958 में अमेरिकन एक्सप्रेस कार्ड से हुई।
- 1970—1980 के दशक:** पहला एटीएम (स्वचालित टेलर मशीन) पेश किया गया, जिससे ग्राहकों को नकदी निकालने और बैंक के समय के बाहर अन्य बैंकिंग कार्य करने की अनुमति मिली।
- 1990 का दशक:** 1995 में पहले पूरी तरह से ऑनलाइन बैंक, सिक्योरिटी फर्स्ट नेटवर्क बैंक की शुरुआत के साथ ऑनलाइन बैंकिंग ने लोकप्रियता हासिल करना शुरू किया।
- 2000 का दशक:** मोबाइल बैंकिंग एक नए चलन के रूप में उभरा, जिससे ग्राहकों को अपने खातों तक पहुंचने और मोबाइल उपकरणों के माध्यम से लेनदेन करने की अनुमति मिली। 2000 में पेपाल सहित पहली मोबाइल भुगतान प्रणाली भी शुरू की गई।
- 2008:** 2008—2009 के वित्तीय संकट के कारण पारंपरिक वित्तीय सेवाओं की जांच में वृद्धि हुई और विकल्प के रूप में वित्तीय प्रौद्योगिकी में रुचि बढ़ी।
- 2009:** बिटकॉइन और ब्लॉक श्रृंखला प्रौद्योगिकी की शुरुआत नई डिजिटल मुद्राओं के विकास और वित्तीय अनुप्रयोगों के लिए ब्लॉक श्रृंखला प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के नए तरीकों की खोज को बढ़ावा देती है।
- 2010 का दशक:** ऑनलाइन ऋण देने, डिजिटल धन प्रबंधन, और सहकर्मी से सहकर्मी भुगतान जैसे क्षेत्रों में नई कंपनियों के उभरने के साथ, वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स ने महत्वपूर्ण कर्षण हासिल करना शुरू कर दिया है। 2010 और 2020 के बीच वैश्विक स्तर पर 100 बिलियन डॉलर से अधिक के निवेश के साथ, वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप में निवेश तेजी से बढ़ता है।
- 2015 में,** यूरोपीय संघ ने भुगतान सेवा निर्देश 2 (PSD2) की शुरुआत की, जिसने बैंकों को ग्राहक डेटा को तृतीय—पक्ष प्रदाताओं के साथ साझा करना अनिवार्य कर दिया। इससे नए खुले बैंकिंग प्लेटफॉर्म और सेवाओं का उदय हुआ।
- 2020 के दशक में,** विकेंट्रीकृत वित्त (DeFi) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों के विकास के साथ, वित्तीय प्रौद्योगिकी के अपने विकास और विकास को जारी रखने की उम्मीद है। वित्तीय प्रौद्योगिकी सेवाओं को ई—कॉर्मस और स्वास्थ्य सेवा जैसे अन्य उद्योगों में भी एकीकृत किया जा रहा है। ब्टप्ट—19 महामारी ने डिजिटल वित्तीय सेवाओं को अपनाने में और तेजी लाई है क्योंकि अधिक लोग दूरस्थ कार्य और ऑनलाइन लेनदेन की ओर बढ़ रहे हैं।

वित्तीय प्रौद्योगिकी का विकास

पिछले दस वर्षों में, वित्तीय प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं, ब्लॉक चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी नवीन तकनीकों के उद्भव के लिए एक धन्यवादपूर्ण भावना है। निम्नलिखित कुछ कारण हैं जिन्होंने वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा दिया है:

- वित्तीय प्रौद्योगिकी की पहली लहर ऑनलाइन बैंकिंग और भुगतान सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित थी, जिसने ग्राहकों को अपने खातों तक पहुंचने और किसी भी समय कहीं से भी लेनदेन करने की अनुमति दी। पीयर—टू—पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म, जिसे पी2पी लेंडिंग के रूप में भी जाना जाता है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं जो व्यक्तियों या व्यवसायों को पारंपरिक वित्तीय संस्थानों की भागीदारी के बिना एक—दूसरे से सीधे पैसे उधार लेने या उधार लेने की अनुमति देते हैं। पी2पी उधार ऋण प्राप्त करने के एक नए तरीके के रूप में उभरा है, जिसमें उधारकर्ता ऑनलाइन ऋण के लिए आवेदन करने में सक्षम हैं और निवेशक यह चुनने में सक्षम हैं कि जोखिम और रिटर्न प्रोफाइल के आधार पर कौन से ऋण को

फंड करना है। उधार देने के इस वैकल्पिक रूप ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की, लैंडिंग क्लब और प्रॉस्पर जैसे प्लेटफॉर्म घरेलू नाम बन गए। पी2पी उधार अब एक परिपक्व उद्योग है, और इसका विस्तार अन्य प्रकार के ऋणों जैसे कि व्यवसाय ऋण, छात्र ऋण और रियल एस्टेट ऋण को शामिल करने के लिए किया गया है।

2. वित्तीय प्रौद्योगिकी की अगली लहर डिजिटल वॉलेट, मोबाइल भुगतान और संपर्क रहित भुगतान के निर्माण पर केंद्रित थी। सौदों को अधिक तेजी से और आसानी से संचालित करने की क्षमता ने लोगों के खरीदारी करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है।
3. हाल ही में, वित्तीय प्रौद्योगिकी को नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को बनाने के लिए ब्लॉक श्रृंखला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ब्लॉक श्रृंखला प्रौद्योगिकी में वित्तीय लेन-देन के तरीके को बदलने की क्षमता है, जिससे तेजी से और अधिक सुरक्षित लेनदेन को सक्षम किया जा सकता है। धोखाधड़ी का पता लगाने और जोखिम प्रबंधन जैसी वित्तीय सेवाओं की सटीकता और दक्षता में सुधार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है।
4. वित्तीय प्रौद्योगिकी नवाचार का एक अन्य क्षेत्र रोबो-सलाहकार सेवाएं हैं, जो ग्राहकों को व्यक्तिगत निवेश सलाह प्रदान करने के लिए एल्पोरिदम और मशीन लर्निंग का उपयोग करती हैं। इसने ग्राहकों की व्यापक श्रेणी के लिए निवेश सलाह को अधिक सुलभ बना दिया है, क्योंकि रोबोट-सलाहकार सेवाएं पारंपरिक निवेश सलाहकारों की तुलना में कम शुल्क की पेशकश कर सकती हैं।
5. वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण व्यवधान से गुजरा है क्योंकि नई तकनीकों और व्यवसाय मॉडल ने वित्तीय सेवाओं को प्रदान करने और उपभोग करने के तरीके को बदल दिया है। आगे देखते हुए, वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग से बीमा, धन प्रबंधन और रियल एस्टेट जैसे नए क्षेत्रों में विकास और विस्तार जारी रहने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, हम पारंपरिक वित्तीय संस्थानों और वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स के बीच बढ़ते सहयोग के साथ-साथ छवरहसम, चक्करसम और अंड्रॉयड जैसी बड़ी तकनीकी कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखने की संभावना रखते हैं। जैसा कि उद्योग का विकास जारी है, यह सभी खिलाड़ियों के लिए अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा करेगा, जिससे उन्हें सफल होने के लिए चुस्त, नवीन और ग्राहक-केंद्रित रहने की आवश्यकता होगी।

वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग में प्रमुख प्रतियोगी

वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग वास्तव में विविध है, जिसमें विभिन्न खिलाड़ी वित्तीय सेवा बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों में पारंपरिक वित्तीय संस्थान, प्रौद्योगिकी कंपनियां और स्टार्टअप शामिल हैं।

1. **पारंपरिक वित्तीय संस्थान:** ये स्थापित बैंक और वित्तीय संस्थान हैं जो लंबे समय से वित्तीय सेवा बाजार में काम कर रहे हैं। कई पारंपरिक वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय प्रौद्योगिकी को अपनाया है और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अपने स्वयं के वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधान विकसित कर रहे हैं।
2. **प्रौद्योगिकी कंपनियाँ:** गूगल, एप्पल और अमेजन जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने डिजिटल वॉलेट, मोबाइल भुगतान और ऑनलाइन ऋण देने जैसे नवीन समाधानों की पेशकश करते हुए वित्तीय सेवा बाजार में प्रवेश किया है।
3. **स्टार्टअप्स:** वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी हैं, जो पारंपरिक वित्तीय सेवाओं को बाधित करने के लिए नई तकनीकों और व्यवसाय मॉडल का विकास कर रहे हैं। कई वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स को महत्वपूर्ण धन प्राप्त हुआ है और वे तेजी से बढ़ रहे हैं।
4. **भुगतान प्रोसेसर:** पेपाल, स्क्वायर और स्ट्राइप जैसे भुगतान प्रोसेसर ने भुगतान करने के तरीके को बदल दिया है, जिससे व्यवसाय ऑनलाइन और मोबाइल उपकरणों के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने में सक्षम हो गए हैं।
5. **क्रिप्टो करेंसी और ब्लॉक चेन कंपनियाँ:** क्रिप्टो करेंसी और ब्लॉक चेन कंपनियां जैसे कॉइनबेस और रिपल नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं, जैसे डिजिटल मुद्राओं और स्मार्ट अनुबंधों को बनाने के लिए ब्लॉक चेन तकनीक का लाभ उठा रही हैं।

6. **रेगेटेक कंपनियां:** रेगेटेक कंपनियां वित्तीय सेवा उद्योग में नियामक अनुपालन चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही हैं। ये कंपनियां अनुपालन निगरानी, जोखिम प्रबंधन और नियामक रिपोर्टिंग जैसे समाधान प्रदान करती हैं।

वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग में कई खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें पारंपरिक वित्तीय संस्थान, स्टार्टअप, प्रौद्योगिकी कंपनियां, भुगतान प्रोसेसर, क्रिप्टो मुद्रा और ब्लॉक श्रृंखला कंपनियां और रेगेटेक कंपनियां शामिल हैं। ये विविध खिलाड़ी सक्रिय रूप से वित्तीय सेवा उद्योग में नवाचार चला रहे हैं और भविष्य में उद्योग को आकार देना जारी रखने की उम्मीद है।

वित्तीय प्रौद्योगिकी द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ और अवसर

वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों प्रस्तुत किए हैं। कुछ चुनौतियों में बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा, विनियामक चुनौतियाँ और साइबर सुरक्षा जोखिम शामिल हैं। हालाँकि, वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के लिए अवसर भी प्रस्तुत किए हैं, जिसमें नई राजस्व धाराएँ बनाना और ग्राहक अनुभव में सुधार करना शामिल है। वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय सेवा उद्योग को बाधित कर दिया है और चुनौतियों और अवसरों दोनों का निर्माण किया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पन्न कुछ प्रमुख चुनौतियाँ और अवसर हैं-

चुनौतियां

1. **विनियमन:** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां अत्यधिक विनियमित वातावरण में काम करती हैं, और इन विनियमों का अनुपालन करना एक महत्वपूर्ण चुनौती हो सकती है। अनुपालन लागत अधिक हो सकती है, और विनियामक अनिश्चितता कंपनियों के लिए नए उत्पादों और सेवाओं की योजना बनाना और उन्हें लागू करना कठिन बना सकती है।
2. **साइबर सुरक्षा:** संवेदनशील वित्तीय सूचनाओं की हैंडलिंग वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को साइबर अपराधियों का लगातार निशाना बनाती है। ग्राहक डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना और साइबर खतरों से सुरक्षा वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती हो सकती है, और एक सुरक्षा उल्लंघन के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
3. **प्रतिभा अधिग्रहण:** वित्तीय प्रौद्योगिकी एक अपेक्षाकृत नया उद्योग है, और आवश्यक तकनीकी और वित्तीय कौशल वाले कुशल श्रमिकों की कमी है। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां प्रतिभा को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए संघर्ष कर सकती हैं, जो उनकी वृद्धि और विकास को बाधित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को प्रतिभा के समान पूल के लिए स्थापित वित्तीय संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ सकती है।

अवसर

1. **वित्तीय समावेशन:** वित्तीय प्रौद्योगिकी में अल्पसेवित समुदायों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने की क्षमता है। ऑनलाइन उधार देने वाले प्लेटफॉर्म और मोबाइल भुगतान उन लोगों की मदद कर सकते हैं जिनकी पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच नहीं है।
2. **बेहतर ग्राहक अनुभव:** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां ग्राहकों को वित्तीय सेवाओं तक तेज और अधिक सुविधाजनक पहुंच प्रदान कर सकती हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल वॉलेट और मोबाइल भुगतान वित्तीय लेनदेन को आसान बना सकते हैं और ग्राहक अनुभव में सुधार कर सकते हैं।
3. **लागत बचत:** पारंपरिक वित्तीय संस्थानों की तुलना में कम लागत पर उन्हें प्रदान करने की वित्तीय प्रौद्योगिकी फर्मों की क्षमता के कारण ग्राहकों की एक विस्तृत विविधता के लिए वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच हो सकती है।
4. **नवाचार:** वित्तीय प्रौद्योगिकी वित्तीय सेवा उद्योग में नवाचार चला रही है, नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं का निर्माण कर रही है जो पहले उपलब्ध नहीं थे। उदाहरण के लिए, ब्लॉक चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने में सक्षम बना रहा है।

जबकि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को विनियामक अनुपालन, साइबर सुरक्षा और प्रतिभा अधिग्रहण से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उनके पास वित्तीय समावेशन का विस्तार करने, ग्राहक अनुभव में सुधार करने, लागत कम करने और वित्तीय सेवा उद्योग में नवाचार चलाने की भी क्षमता है।

वित्तीय सेवाओं पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभाव

- पारंपरिक वित्तीय सेवाओं में व्यवधान:** वित्तीय प्रौद्योगिकी ने नवीन उत्पादों और सेवाओं को पेश करके पारंपरिक वित्तीय सेवाओं को बाधित कर दिया है जो तेज, सस्ती और अधिक सुविधाजनक हैं।
- बढ़ी हुई प्रतिस्पद्धा:** वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय सेवाओं के लिए नए विकल्प पेश करके वित्तीय सेवा उद्योग में प्रतिस्पर्धा बढ़ा दी है।
- बेहतर ग्राहक अनुभव:** वित्तीय प्रौद्योगिकी ने तेज, अधिक सुविधाजनक और व्यक्तिगत वित्तीय सेवाओं की पेशकश करके ग्राहक अनुभव में सुधार किया है।
- वित्तीय सेवाओं तक विस्तारित पहुंच:** वित्तीय प्रौद्योगिकी ने ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल भुगतान और डिजिटल वॉलेट की पेशकश करके वित्तीय सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, विशेष रूप से कम सेवा वाले समुदायों तक।
- कम लागत:** वित्तीय प्रौद्योगिकी ने भौतिक शाखाओं की आवश्यकता को समाप्त करके और ओवरहेड लागत को कम करके वित्तीय सेवाओं की लागत कम कर दी है।
- नवाचार:** वित्तीय प्रौद्योगिकी ने वित्तीय सेवा उद्योग में नवाचार को प्रेरित किया है, नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं का निर्माण किया है जो पहले संभव नहीं थे।
- नियामक चुनौतियां:** वित्तीय सेवा उद्योग की अत्यधिक विनियमित प्रकृति के कारण वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को नियामक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अनुपालन लागत अधिक हो सकती है, और विनियामक अनिश्चितता कंपनियों के लिए नए उत्पादों और सेवाओं की योजना बनाना और उन्हें लागू करना कठिन बना सकती है।
- साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ:** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को उनके द्वारा संभाली जाने वाली वित्तीय जानकारी की संवेदनशील प्रकृति के कारण साइबर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ग्राहक डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना और साइबर खतरों से सुरक्षा वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती हो सकती है।



व्यवधान, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा, बेहतर ग्राहक अनुभव, वित्तीय सेवाओं तक विस्तारित पहुंच, कम लागत और नवाचार के साथ वित्तीय सेवाओं पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है। हालाँकि, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को नियामक और साइबर सुरक्षा चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है।

वित्तीय सेवाओं में वित्तीय प्रौद्योगिकी का भविष्य आउटलुक

वित्तीय प्रौद्योगिकी के भविष्य में बढ़ने और पारंपरिक वित्तीय सेवाओं को बाधित करने की उम्मीद है। वित्तीय प्रौद्योगिकी का भविष्य प्रौद्योगिकी में प्रगति, ग्राहकों की अपेक्षाओं में बदलाव और नियामक परिवर्तनों से आकार लेने की संभावना है।

वित्तीय प्रौद्योगिकी से भविष्य में वित्तीय सेवा उद्योग में बदलाव जारी रहने की उम्मीद है। वित्तीय सेवाओं में वित्तीय प्रौद्योगिकी के लिए कुछ प्रमुख रुझान और भविष्य के दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं:

- निरंतर नवाचार:** वित्तीय प्रौद्योगिकी वित्तीय सेवा उद्योग में विशेष रूप से ब्लॉक चेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना जारी रखेगी। यह विकेंट्रीकृत वित्त (DeFi) और खुले बैंकिंग जैसे नए वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के निर्माण के सक्षम करेगा।
- डिजिटल बैंकिंग का विस्तार:** कोविड-19 महामारी ने डिजिटल बैंकिंग की ओर झुकाव को तेज कर दिया है, और यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। अधिक ग्राहकों से अपने वित्त का प्रबंधन करने के लिए ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल भुगतान और डिजिटल वॉलेट का उपयोग करने की उम्मीद है, जो वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए अवसर पैदा करेगा।
- बढ़ा हुआ सहयोग:** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और पारंपरिक वित्तीय संस्थानों से भविष्य में और अधिक निकटता से सहयोग करने की उम्मीद है। पारंपरिक वित्तीय संस्थान अपने डिजिटल प्रस्तावों को बढ़ाने के लिए वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधानों का लाभ उठाएंगे, जबकि वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के स्थापित ग्राहक आधार और नियामक अनुपालन से लाभान्वित होंगी।
- ग्राहक अनुभव पर ध्यान दें:** वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां तेजी से, अधिक सुविधाजनक और व्यक्तिगत वित्तीय सेवाओं की पेशकश करते हुए ग्राहक अनुभव को प्राथमिकता देना जारी रखेंगी। यह ग्राहक डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।
- साइबर सुरक्षा का बढ़ता महत्व:** जैसे-जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी का विकास जारी रहेगा, साइबर सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को ग्राहक डेटा की सुरक्षा और साइबर हमलों को रोकने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों में निवेश करने की आवश्यकता होगी।
- रेगेटक की बढ़ती भूमिका:** भविष्य में रेगेटक समाधान और भी महत्वपूर्ण हो जाएंगे, क्योंकि वे वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन करने में मदद करते हैं। यह वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों पर विनियामक बोझ को कम करेगा और उन्हें नवाचार और विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देगा।

वित्तीय सेवाओं में वित्तीय प्रौद्योगिकी के लिए भविष्य का दृष्टिकोण उज्ज्वल है, निरंतर नवाचार, डिजिटल बैंकिंग का विस्तार, वित्तीय प्रौद्योगिकी और पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के बीच सहयोग में वृद्धि, ग्राहक अनुभव पर ध्यान केंद्रित करना, साइबर सुरक्षा का बढ़ता महत्व और रेगेटक की बढ़ती भूमिका।

निष्कर्ष

वित्तीय प्रौद्योगिकी (वित्तीय प्रौद्योगिकी) उद्योग ने पारंपरिक वित्तीय सेवाओं को कई तरीकों से बाधित किया है, और इसका प्रभाव भविष्य में भी जारी रहने की उम्मीद है। इस शोध पत्र में वित्तीय प्रौद्योगिकी के विकास, उद्योग में प्रमुख खिलाड़ियों, चुनौतियों, अवसरों और वित्तीय सेवाओं में वित्तीय प्रौद्योगिकी के भविष्य के दृष्टिकोण को शामिल किया गया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी में वित्तीय सेवा उद्योग को बदलने की क्षमता है, और पारंपरिक वित्तीय संस्थानों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए अनुकूल होना चाहिए। वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक बैंकिंग और निवेश मॉडल को बाधित करते हुए और अभिनव विकास के

अवसर पैदा करते हुए वित्तीय सेवा उद्योग को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। वित्तीय प्रौद्योगिकी ने वित्तीय सेवाओं में सुविधा, पारदर्शिता और पहुंच में भी सुधार किया है, विशेष रूप से कम सेवा वाली आबादी के लिए। वित्तीय प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक वित्तीय संस्थानों और वित्तीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया है, जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं और व्यवसायों को लाभ पहुंचाने वाले नए उत्पादों और सेवाओं का विकास हुआ है। फिर भी, वित्तीय प्रौद्योगिकी ने धोखाधड़ी, डेटा उल्लंघनों और नियामक अनिश्चितता जैसे नए जोखिम भी पेश किए हैं। जैसा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग का विकास जारी है, वित्तीय प्रणाली में उपभोक्ता संरक्षण और स्थिरता के साथ नवाचार को संतुलित करना आवश्यक है। वित्तीय सेवाओं पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभाव महत्वपूर्ण बने रहने का अनुमान है क्योंकि उद्योग उपभोक्ता की जरूरतों और अपेक्षाओं को विकसित करता है। वित्तीय संस्थान वित्तीय तकनीक को अपनाकर और इसके जोखिमों को कम करने के लिए काम करके तेजी से बदलते आधुनिक वित्त उद्योग में सफलता के लिए खुद को स्थापित कर सकते हैं।

संदर्भ

1. निकोलेटी, बी (2018), वित्तीय प्रौद्योगिकी का भविष्य: वित्तीय सेवाओं में वित्त और प्रौद्योगिकी का एकीकरण।
2. चिश्ती, एस., और बारबेरिस, जे. (2016), द फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी बुकः द फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी हैंडबुक फॉर इन्वेस्टर्स, एंटरप्रेन्योर्स एंड विजनरीज।
3. एम्नस, डब्ल्यू.आर., और रिकेट्स, एल.आर. (2019)। वित्तीय प्रौद्योगिकी और वित्तीय संस्थानों का पुनर्निर्माण।
4. मैरोनी, एल, और प्लांटिन, जी (2021), वित्तीय प्रौद्योगिकी, बिगटेक, और बैंकों का भविष्य।
5. किंग, एम, और पार्क, टी (2017), वित्तीय प्रौद्योगिकी का आर्थिक और सामाजिक प्रभावरूप केंद्रीय बैंकों के एक सर्वेक्षण से प्रारंभिक निष्कर्ष।
6. जज, के. (2015), वित्तीय प्रौद्योगिकी, विनियामक अंतररपणन, और छाया बैंकों का उदय।
7. बुच, सी. एम. (2018), बैंकिंग संरचना और प्रतिस्पर्धा पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभाव।
8. विश्व आर्थिक मंच। (2016), वित्तीय सेवाओं में विघटनकारी नवाचारः डिजिटल के लिए एक खाका।
9. डेविस, एच।, और ग्रीन, डी। (2011), बदलती दुनिया में वित्तीय नियमनः वैश्विक वित्तीय संकट से सबक।
10. अर्नर, डी.डब्ल्यू., बारबेरिस, जे., और बकले, आर.पी. (2015), चीन में वित्तीय प्रौद्योगिकी का उदयरूप एक सिंहावलोकन।
11. डेमिरगुक—कंट, ए, कलैपर, एल, सिंगर, डी, और वैन औधेसडेन, पी (2017), वित्तीय प्रौद्योगिकी क्रांति: संभावनाओं, जोखिमों और अवसरों की समीक्षा। पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर 8366, विश्व बैंक समूह।
12. अर्नर, डी, बारबेरिस, जे, और बकले, आर (2015), वित्तीय प्रौद्योगिकी का विकासः संकट के बाद का एक नया प्रतिमान? यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग फैकल्टी ऑफ लॉ रिसर्च पेपर, (2015/047)।
13. ब्रियर, जे।, और हाउक्रॉफ्ट, बी (2017), प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक बैंकिंग का भविष्य। जर्नल ॲफ फाइनेंशियल रिसर्चिट्सः फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी एंड रेगुलेशन, 1(2), 1–13।
14. यरमैक, डी। (2017), कॉर्पोरेट प्रशासन और ब्लॉकचेन, वित्त की समीक्षा, 21(1), 7–31।
15. हुसैन, एम.ए., साहा, एस., और कुंडू, एस. (2018), वित्तीय प्रौद्योगिकी बैंकिंग क्षेत्र पर प्रभावः एक संरचनात्मक मॉडल विश्लेषण। जर्नल ॲफ फाइनेंशियल इकोनॉमिक पॉलिसी, 10(2), 145–157।
16. अलमरी, के., अबुधजालेह, एन., और अब्देलबाकी, ए. (2021), वित्तीय सेवाओं पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभावः साहित्य की समीक्षा। जर्नल ॲफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 14(6), 288।
17. रोसेनग्रेन, ई.एस. (2019), वित्तीय प्रौद्योगिकी और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम। 2019 प्रूडेंशियल रेगुलेशन कॉन्फ्रेंस, फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ बोस्टन में भाषण।
18. कैलीचिया, एफ।, और कैपिल्लो, एल। (2019), बैंकों के व्यापार मॉडल पर वित्तीय प्रौद्योगिकी का प्रभाव। जर्नल ॲफ बैंकिंग रेगुलेशन, 20(1), 36–51।

19. क्रिस्टोफर्सन, जे., पंथाकी, एफ., और रानाल्डो, ए. (2019), शून्य ब्याज दरों पर बैंक व्यवसाय मॉडल। स्विस फाइनेंस इंस्टीट्यूट रिसर्च पेपर, (19-22)।
20. वैन ओर्ट, एम.आर.सी., और यी, के.एम. (2019), भुगतान और मुद्रा प्रतियोगिता का विकास। बीआईएस वर्किंग पेपर, (766)।

Corresponding Author

* **डॉ प्रवीण कुमार पाकड़**

सहायक आचार्य

आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन (ईएफएम) विभाग

एसपीएनकॉर्स राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दौसा

Email-pkpakad@gmail.com, Mob.-9414541323